



जुलाई - अगस्त, 2021

दिल्लीचिल्ड्रेन्स  
वर्ष 1996 से प्रकाशित  
टाइम्स

Delhi  
Since 1996  
Childrens  
Times



## संपादक की कलम से

प्रिय मित्रों,

हम आपके सामने पेश कर रहे हैं— **The Delhi Children Times** (जुलाई-अगस्त) **Issue**, इस के माध्यम से हम अपने दिल्ली बाल अधिकार क्लब सहयोगी संगठनों के कुछ महत्वपूर्ण समाचार और लेख लाने की कोषिष कर रहे हैं। हमारे देश में कोविड मामलों की संख्या कम हो रही है इसलिए वरिष्ठ छात्रों के लिए स्कूलखोला गया है सरकार द्वारा जारी किए गए कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए। आशा है कि आपको दिल्ली के विभिन्न संगठनों के हमारे मित्रों द्वारा लिखे गए लेख पढ़ने में मजा आएगा

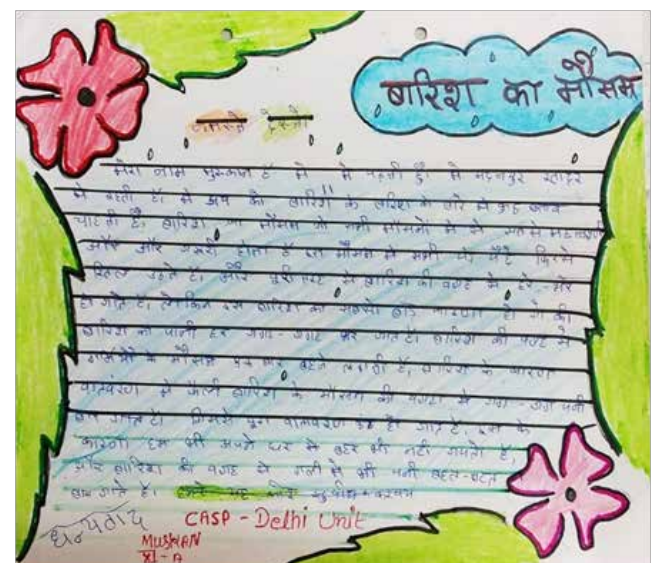


## मेरी कॉलोनी में एक बरसात का दिन

Akansha (CASP Delhi Unit)

मेरा नाम आकांशा है और मैं मदनपुर खादर में रहती हूँ, आज मैं आपके साथ हाल ही में हुई बारिश का अपना अनुभव साझा करने जा रही हूँ। हमारे शहर दिल्ली में जुलाई के महीने में एक दिन सुबह से ही भारी बारिश हुई थी। जैसे ऑनलाइन क्लास होने के कारण मैं अपनी क्लास अटेंड करने के लिए तैयार हो गई। गरमा गरम अदरक की चाय और पकोड़े की महक हमारे किचन से आने लगी, मम्मी पकोड़े बना रही हैं। गर्म चाय के साथ पकोड़े खाने का ख्याल मुझे खुश कर देता है लेकिन जैसा ही मैंने बाहर देखा तो हमारे इलाके में पूरा सीवेज के पानी भर गया है और यात्रियों के लिए यात्रा करना बहुत

मुष्किल है, साइकिल या बाइक चलाने में असमर्थ लोग, ऑटो रिक्शा चलने में असमर्थ हैं और क्षेत्र का पूरा सीवेज बह रहा है। पूरे मोहल्ले में दुर्गंध आती गई इसलिए हर हफ्ते हर मोहल्ले के सीवेज को साफ करना बहुत जरूरी है और अगर हमारे घर के सामने गड्ढा हो तो हमें उसे मिट्टी से भर देना चाहिए या नगर पालिका को इसकी सूचना देनी चाहिए अन्यथा यह बहुत खतरनाक हो सकता है। बारिश के दिन खूबसूरत होते हैं लेकिन अगर आपको काम के लिए बाहर जाना है और स्थिति हमारे इलाके की तरह है तो बहुत मुष्किल हो जाती है इसलिए हमें अपने इलाके को सीवेज से मुक्त रखने की कोषिष करनी चाहिए और गड्ढे और नगर निगम की मदद लेनी चाहिए तो ही हम एक कप गर्म चाय और पकोड़े के साथ बरसात के दिन का आनंद ले सकते हैं





## मेरा पसंदीदा खेल

Dola (CASP Delhi unit)

हाय दोस्तों, मेरा नाम डोला है, और मैं कैस्प दिल्ली यूनिट से हूँ, मैं आप सभी के साथ अपने पसंदीदा खेल "खो-खो" के बारे में साझा करूँगा, प्रत्येक खो-खो टीम में 12 खिलाड़ी होते हैं, लेकिन एक प्रतियोगिता के दौरान प्रत्येक टीम से केवल 9 खिलाड़ी होते हैं। एक पारी में, प्रत्येक टीम को पीछा करने के लिए सात मिनट और बचाव के लिए सात मिनट मिलते हैं। पीछा करने वाली टीम के आठ सदस्य मैदान के मध्य लेन में आठ चौकों में बैठते हैं, बारी-बारी से जिस दिशा में उनका सामना होता है। मैं अक्सर अपने पड़ोस के पार्क में और स्कूल में अपने दोस्तों के साथ खोखो खेलता हूँ, यहां तक कि मुझे टीवी में खोखो देखना बहुत पसंद है। हर दिन 2 घंटे के लिए मैं अपने दोस्तों के साथ पार्क में खोखो का अभ्यास करता हूँ, यहां तक कि स्कूल में मेरा खेल शिक्षक मुझे सिखता है और खेल के बारे में और अधिक जानकारी देते हैं, मेरा सपना है कि मैं टीम इंडिया के लिए खेलूँ और अपने देश के लिए पदक जीतूँ।



## सार्वजनिक शौचालय की कहानी

Rinki (CASP Delhi unit)

मेरा नाम रंकी है, मैं आठवीं में पढ़ता हूँ और मदनपुर खादर की जेजे कॉलोनी के ए-ब्लॉक में रहता हूँ। हमारी कॉलोनी में एक सार्वजनिक शौचालय है जिसका उपयोग हमारे क्षेत्र के सभी लोग करते हैं। हर सुबह एक लंबी लाइन हुआ करती थी और ज्यादातर समय शौचालय बहुत गंदा होता है, लोग शौचालय को साफ रखने के लिए पर्याप्त जागरूक नहीं होते हैं और इस कारण से अधिकांश लोग बीमार पड़ जाते हैं और मूत्र और पाचन की समस्या से पीड़ित हो जाते हैं। शौचालय को साफ रखने के लिए समुदाय के सभी लोगों की सामाजिक जिम्मेदारी है और हमें इसे दैनिक उपयोग के रूप में बनाए रखने के बारे में सोचना चाहिए और हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है नियमित गतिविधियाँ।



## Coronavirus

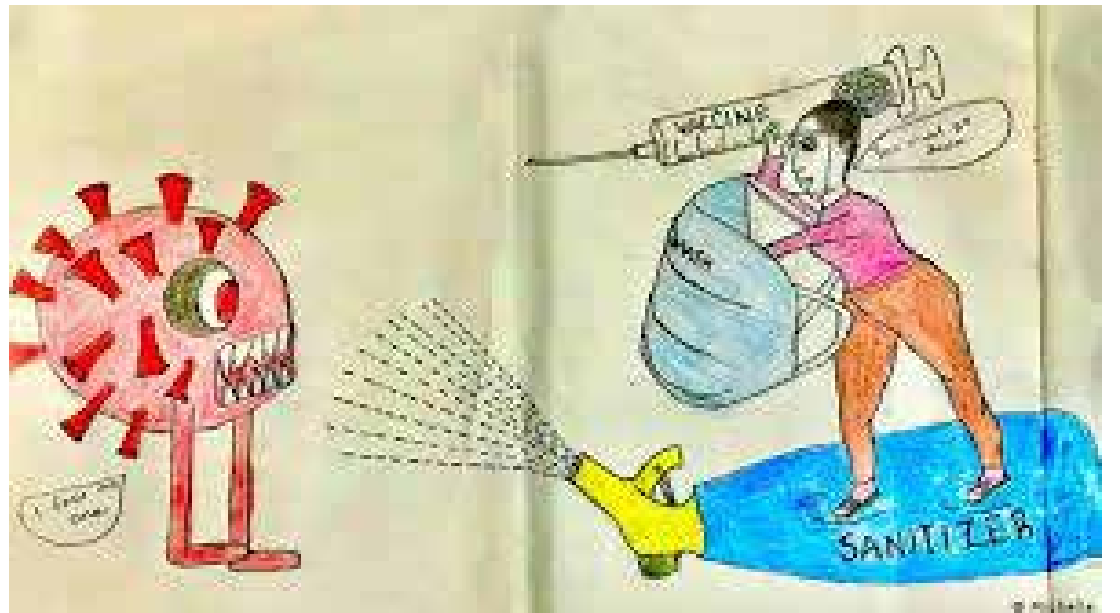
Krishna (Butterflies)

Coronavirus disease (COVID-19) is an infectious disease caused by the SARS-CoV-2 virus.

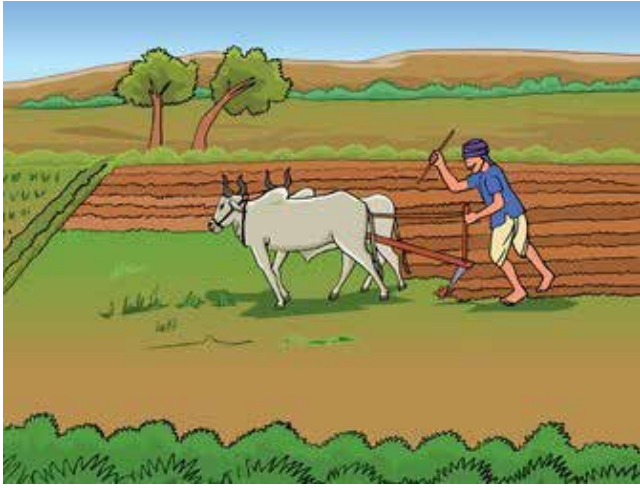
Most people infected with the virus will experience mild to moderate respiratory illness and recover without requiring special treatment. However, some will become seriously ill and require medical attention. Older people and those with underlying medical conditions like cardiovascular disease, diabetes, chronic respiratory disease, or cancer are more likely to develop serious illness. Anyone can get sick with COVID-19 and become seriously ill or die at any age.

The best way to prevent is to be well informed about the disease and how the virus spreads. Protect yourself and others from infection by staying at least 1 metre apart from others, wearing a properly fitted mask, and washing your hands or using sanitizer. Get vaccinated when it's your turn and follow local guidance.

The virus can spread from an infected person's mouth or nose in small liquid particles when they cough, sneeze, speak or breathe. It is important to practice respiratory etiquette, for example by coughing into a flexed elbow, and to stay home and self-isolate until you recover if you feel unwell.







## Practice makes you perfect

Disha (Butterflies)

Once upon a time in India there was a village which was hit by drought and farmers were left at the mercy of rain god there is no water for cultivation but one farmer by the name of Manohar used to go to the field regularly and sow seeds in the paddy field by watching his this activity his fellow farmer friends laughed at him and asked him that why like a fool he used to do so much of hard work as there is no sign of rain for the coming years, hearing this he said that he knew that no sooner there would be rainfall but he was doing it only as a practice so that years after when there would be rainfall he will not be out of the habit of working in the field neither he would forget the process of cultivation. The body's work habits are module, so I keep doing this so that when it rains, I would not find it difficult to work back again. On the other hand far away in Kailash, Goddess parvati was listening the conversation between Manohar and his fellow farmers ,impressed by Manohar's dedication towards work ,she narrated his story to Lord Shiva,hearing this lord Shiva got worried as he too was not practicing to play Dumru since long so to check whether he was still in the habit of playing it ,he played the Dumru and as soon as rain god Indra devta heard it ,he thought it's a signal to create rain fall in all the area so it started raining even in manohar village. The moment it rained ,manohar's sowed field received enough water for the crops to be fertilized, it was result of manohar's daily practice of watering the field and all his fellow mates regretted it.

“Practice makes you perfect “it is

the essence of quality. Same is with pandemic it would be for 2 weeks,2 months or 2 years but a day would come the lockdown would end even during lockdown days we should have sharpen our skills, should try to study more books, and increase our knowledge. If we focus on our skills today, tomorrow we could do better.

Dumru can play anytime....so that when the time comes to work again, you are ready to meet all the challenges.

Corona is not gone yet, so we should all take care of yourself and be safe

Dumru can play anytime....

## हमारे क्षेत्र में परिवहन की समस्या

Saloni (CASP Delhi unit)

मेरा नाम सलोनी है और मैं सीएसपी दिल्ली इकाई में 7 वीं कक्षा में पढ़ता हूँ और जेजे कॉलोनी, मदन पुर खदर में रहता हूँ। आज मैं आपके साथ हमारे क्षेत्र में परिवहन सेवाओं के बारे में साझा करना चाहता हूँ। हमारे मार्ग में चलने वाली एकमात्र बस डीटीसी बस संख्या 465 है जो ज्यादातर सुबह और शाम को सड़क पर चलती है और इसकी सेवा बहुत सीमित है और इस कारण खादर के लोगों के लिए दिल्ली के अन्य हिस्सों में आना बहुत मुश्किल हो जाता है। आरटीवी के रूप में जानी जाने वाली छोटी बसें मार्ग पर चलती हैं लेकिन यात्रियों के लिए सुरक्षित नहीं हैं क्योंकि वे तेजी से ड्राइव करती हैं और ज्यादातर मामलों में दुर्घटना होती है, इसलिए लोगों को यात्रा करने के लिए ऑटो का उपयोग करना पड़ता है जो दैनिक यात्रियों के लिए महंगा हो जाता है, इसलिए मैं चाहता हूँ कि सरकार इस मार्ग पर और बसें शामिल करें ताकि निवासियों के लिए दैनिक आवागमन बेहतर हो



## प्यासा कौआ

Priyanka (CASP Delhi Unit)

एक गर्म दिन, एक प्यासा कौआ पानी की तलाश में पूरे खेतों में उड़ गया। काफी देर तक उसका कोई पता नहीं चला। वह बहुत कमजोर महसूस कर रहा था, लगभग सारी उम्मीद खो चुका था। अचानक उसे पेड़ के नीचे पानी का जग दिखाई दिया। वह सीधे नीचे उतरा यह देखने के लिए कि कहीं पानी तो नहीं है। हाँ, उसे जग के अंदर कुछ पानी दिखाई दे रहा था!

कौवे ने उसके सिर को जग में धकेलने की कोशिश की। दुख की बात है कि उसने पाया कि गुड़ की गर्दन बहुत संकरी थी। फिर उसने पानी को बाहर निकालने के लिए जग को झुकाने की कोशिश की, लेकिन जग बहुत भारी था।

कौवे ने कुछ देर सोचा। फिर, उसने अपने चारों ओर देखा, उसने कुछ कंकड़ देखे। उसे अचानक एक अच्छा विचार आया। उसने एक-एक करके कंकड़ उठाना शुरू कर दिया, प्रत्येक को जग में गिरा दिया। जैसे-जैसे अधिक से अधिक कंकड़ जग भरते गए, जल स्तर बढ़ता गया। जल्द ही कौवे के पीने के लिए यह काफी ऊँचा हो गया। उसकी योजना काम कर गई थी!

डवतंस: सोचिए और मेहनत कीजिए, आपको किसी भी समस्या का समाधान मिल सकता है।



## प्रदूषण और हमारे पर्यावरण पर इसके प्रभाव—

आसमा द्वारा(कैस्प दिल्ली यूनिट)

पर्यावरण प्रदूषण कोई नई घटना नहीं है, फिर भी यह दुनिया की सबसे बड़ी समस्या है जो मानवता के सामने है, और रुग्णता और मृत्यु दर के प्रमुख पर्यावरणीय कारण हैं। शहरीकरण, औद्योगिकीकरण, खनन और अन्वेषण के माध्यम से मनुष्य की गतिविधियाँ वैश्विक पर्यावरण प्रदूषण में सबसे आगे हैं। विकसित और विकासशील दोनों देश इस बोझ को एक साथ साझा करते हैं, हालांकि विकसित देशों में जागरूकता और सख्त कानूनों ने उनके पर्यावरण की रक्षा करने में काफी हद



तक योगदान दिया है। प्रदूषण की ओर वैश्विक ध्यान के बावजूद, इसके गंभीर दीर्घकालिक परिणामों के कारण प्रभाव अभी भी महसूस किया जा रहा है। यह अध्याय प्रदूषण के प्रकारों की जाँच करता है— वायु, जल और मिट्टीय प्रदूषण के कारण और प्रभाव और स्थायी पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए प्रदूषण का मुकाबला करने में समाधान प्रदान करता है।



## टीकाकरण से पहले और बाद में खुद को कोविड से कैसे बचाएं

Raj (Angaza foundation)

COVID-19 को रोकने का सबसे अच्छा तरीका इस वायरस के संपर्क में आने से बचना है।

माना जाता है कि वायरस मुख्य रूप से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है।

उन लोगों के बीच जो एक दूसरे के निकट संपर्क में हैं (लगभग 6 फीट के भीतर)।

संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बात करने पर निकलने वाली सांस की बूंदों के माध्यम से।

ये बूंदें उन लोगों के मुंह या नाक में जा सकती हैं जो आस-पास हैं या संभवतः फेफड़ों में जा सकते हैं।

COVID-19 उन लोगों द्वारा फैल सकता है जो लक्षण नहीं दिखा रहे हैं।

सभी को अपने हाथ बार-बार साफ करने चाहिए

अपने हाथों को कम से कम 20 सेकंड के लिए साबुन और पानी से बार-बार धोएं, खासकर जब आप किसी सार्वजनिक स्थान पर हों, या अपनी नाक बहने, खांसने या छींकने के बाद।

यदि साबुन और पानी आसानी से उपलब्ध नहीं

है, तो ऐसे हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करें जिसमें कम से कम 60% अल्कोहल हो। अपने हाथों की सभी सतहों को ढकें और उन्हें तब तक रगड़ें जब तक कि वे सूख न जाएं।



बिना धुले हाथों से अपनी आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें।

निकट संपर्क से बचें

जितना संभव हो सके उन लोगों से संपर्क सीमित करें जो आपके घर में नहीं रहते हैं।

बीमार लोगों के साथ निकट संपर्क से बचें।

अपने और दूसरे लोगों के बीच दूरी बनाए रखें।

याद रखें कि बिना लक्षण वाले कुछ लोग वायु रस फैलाने में सक्षम हो सकते हैं।

यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जिन्हें गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ गया है।

दूसरों के आसपास होने पर अपने मुंह और नाक को मास्क से ढकें

आप बीमार न होने पर भी दूसरों को COVID-19 फैला सकते हैं।

हर किसी को सार्वजनिक स्थानों पर और अपने घर में नहीं रहने वाले लोगों के आसपास मास्क पहनना चाहिए, खासकर जब सामाजिक दूरी बनाए रखना मुश्किल हो।

2 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों, जिन्हें सांस लेने में तकलीफ हो, या बेहोशी की हालत में, अक्षम हो या बिना सहायता के मास्क को हटाने में असमर्थ हों, उन्हें मास्क नहीं लगाना चाहिए।

मास्क बीमार व्यक्ति को दूसरों में वायरस फैलाने से रोकने में मदद करता है, और पहनने वाले को भी कुछ सुरक्षा प्रदान करता है।

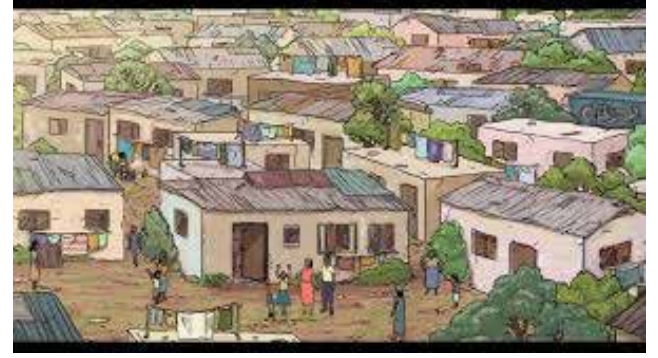
किसी स्वास्थ्यकर्मी के लिए बने फेसमास्क का प्रयोग न करें।

अपने और दूसरों के बीच कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखें।

मास्क सोशल डिस्टेंसिंग का विकल्प नहीं है।  
खाँसी और छींक को ढकें

खांसते या छींकते समय हमेशा अपने मुंह और नाक को एक ऊतक से ढकें या अपनी कोहनी के अंदर का उपयोग करें।

इस्तेमाल किए गए टिश्यू को कूड़ेदान में फेंक दें।



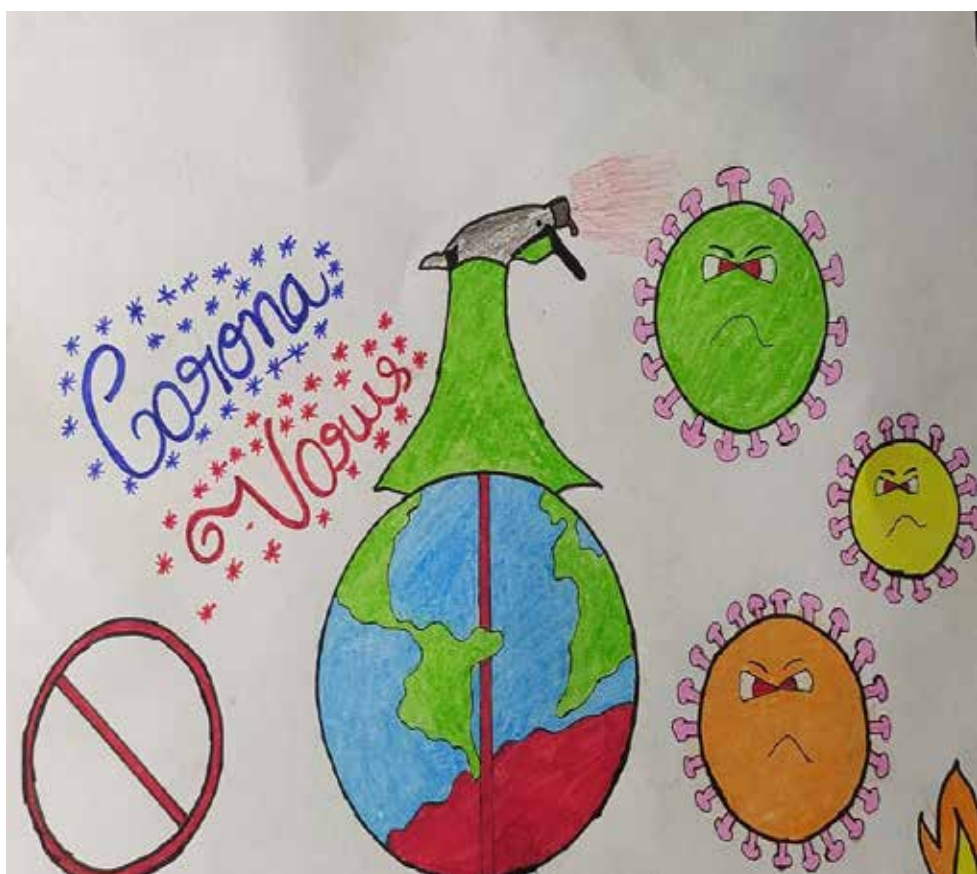
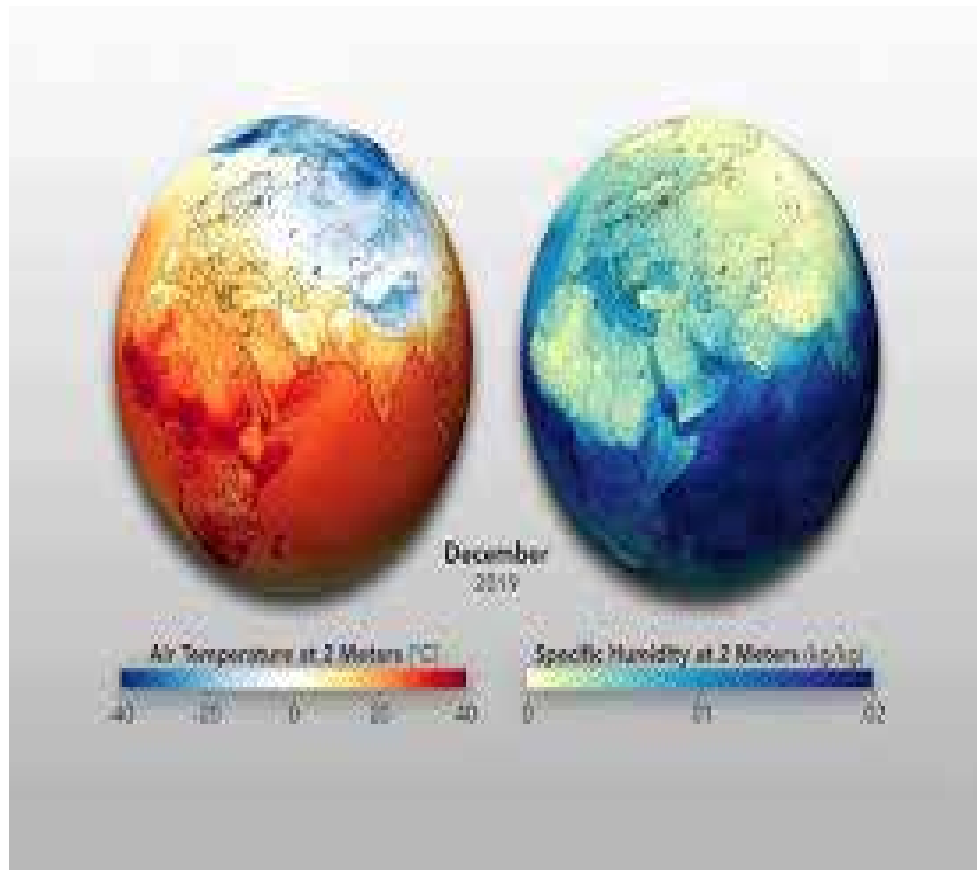
## मेरी बस्ती

यष (अंगाजा फाउंडेशन)

सभी को नमस्कार मेरा नाम यष है और मैं कल्याणपुरी, नई दिल्ली के अंदर बस्ती में रहता हूँ। यह एक अच्छी जगह है जिसमें बहुत सारी खुली जगह है और बच्चों के खेलने के लिए और लोगों के लिए सुबह या शाम का काम करने के लिए एक पार्क भी है। सरकारी प्राथमिक और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जहाँ हमारे क्षेत्र के अधिकांश बच्चे वहाँ जाते हैं, हमारे पास एक सरकारी अस्पताल और एक औशधालय भी है जहाँ उनका मुफ्त इलाज होता है लेकिन हमारे क्षेत्र की समस्या यह है कि यह बहुत ही प्रदूषित और अस्वच्छ कूड़ा-कचरा भरा हुआ है और अधिकांश हमारे इलाके के लोग अक्सर आपस में झगड़ते हैं। बरसात के दिनों में हमारे इलाके की सड़कें बहुत अच्छी नहीं होती हैं, क्योंकि सड़कों पर सीवेज का पानी भर जाता है, इसलिए हमारे लिए आना-जाना मुश्किल हो जाता है।







बच्चों बुजुर्गों का रखें खयाल,  
तौडे हस कोरोना जाल।  
तीसरे चरण सँ रहै सतर्क,  
रौक वायरस  
की थह चाल॥

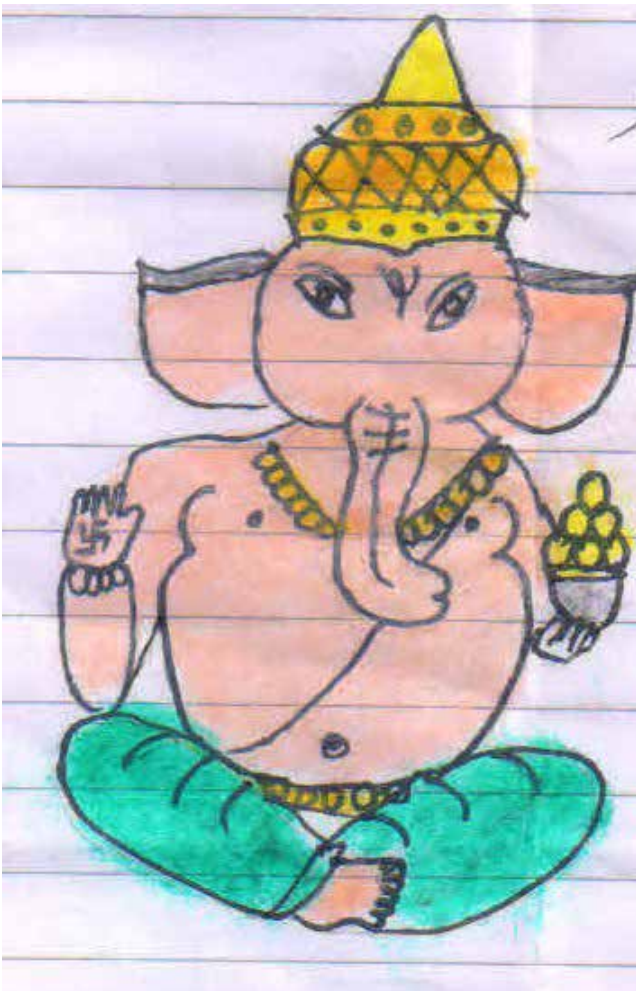




## गणेश चतुर्थी

Shubham (Angaza Foundation)

गणेश चतुर्थी को विनायक चतुर्थी के रूप में भी जाना जाता है। यह एक हिंदू त्योहार है जो भगवान गणेश के कैलाष पर्वत से अपनी मां देवी पार्वती ६ गौरी के साथ पृथ्वी पर आने का जन्म मनाता है। त्योहार को निजी तौर पर घरों में और सार्वजनिक रूप से श्री बाल गंगाधर तिलक द्वारा सार्वजनिक रूप से भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियों की स्थापना के साथ चिह्नित किया गया है, जिन्हें लोकप्रिय रूप से पुणे में लोकमान्य तिलक के रूप में जाना जाता है। पंडाल से समुदाय को वितरित की जाने वाली दैनिक प्रार्थनाओं के प्रसाद और प्रसाद में मोदक जैसी मिठाइयों शामिल हैं क्योंकि इसे भगवान गणेश का पसंदीदा माना जाता है। त्योहार शुरू होने के दसवें दिन समाप्त होता है, जब मूर्ति को संगीत और समूह जप के साथ एक सार्वजनिक जुलूस में ले जाया जाता है, फिर पास के पानी जैसे नदी या समुद्र में विसर्जित किया जाता है, जिसे विसर्जन कहा जाता है। इसके बाद मिट्टी की मूर्ति भंग हो जाती है और माना जाता है कि गणेश कैलाष पर्वत पर पार्वती और शिव के पास लौट आए। यह त्योहार भगवान गणेश को नई शुरुआत के देवता और बाधाओं के निवारण के साथ-साथ ज्ञान और बुद्धि के देवता के रूप में मनाता है और पूरे भारत में मनाया जाता है, खासकर महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे राज्यों में।, ओडिशा, गोवा, पश्चिम बंगाल, गुजरात, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु।



## अच्छी आदतें

Rupa (Butterflies)

जीवन में अच्छी आदतों का बहुत महत्व है। वे ज्यादातर बचपन में पैदा होते हैं और अंत तक हमारे साथ रहते हैं। जीवन में सफल होने के लिए अच्छी आदतें जरूरी हैं। वे न केवल उसके पास हैं बल्कि दूसरों के लिए भी फायदेमंद हैं।

जीवन में सफल होने के लिए अच्छी आदतें बहुत जरूरी हैं। अच्छी आदतों वाला व्यक्ति पढ़ाई, करियर, व्यक्तिगत जीवन और सभी में लगातार प्रगति करता है। दूसरी ओर, बुरी आदतों वाला व्यक्ति, चाहे वह कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो, एक दिन जीवन में सफलताओं को खो देगा।

ये एक सफल जीवन के लिए आवश्यक अच्छी आदतों की सूची है –

जल्दी सोना और जल्दी उठना।

हमेशा विनम्र और दूसरों के प्रति विचारशील।

बड़ों, शिक्षकों और दोस्तों का सम्मान करना।

एक अच्छी कंपनी में समय बिताना।

लगातार पढ़ना और सीखना।

अनुशासित तरीके से पढ़ाई करना।

**दैनिक जीवन में अच्छी आदतों के ये कुछ लाभ हैं –**

अपने सपनों और उद्देश्यों को प्राप्त करने में आपकी सहायता करें।

आप जीवन भर के लिए अच्छे दोस्त अर्जित करें।

आप परिवार, दोस्तों और समाज से भी अधिक सम्मान अर्जित करते हैं।

अच्छी आदतें आपके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती हैं।

आप अधिक उत्पादक बनते हैं और सफलता प्राप्त करते हैं।

आप उन लोगों का विश्वास हासिल करते हैं जो आपकी जरूरत में मदद करने के लिए तैयार हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में प्रगति करने और सफलता हासिल करने के लिए अच्छी आदतें बहुत जरूरी हैं। अगर आपकी अच्छी आदतें हैं और हर दिन उनका पालन करें, तो आपको चिंता करने की कोई बात नहीं है।



## रक्षा बंधन

Priya

रक्षा बंधन भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाया जाने वाला एक हिंदू त्योहार है।

रक्षा बंधन अगस्त माह में श्रावण मास की अंतिम तिथि को मनाया जाता है।

रक्षा बंधन भाइयों और बहनों के बीच बंधन, देखभाल और स्नेह का प्रतीक है।

रक्षा बंधन के दिन बहनें कुमकुम, दीया, चावल, मिठाई और राखी से पूजा की थाली तैयार करती हैं।

बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उसके माथे पर 'रोली चावल' लगाती है।

रक्षा बंधन के त्योहार पर बहन अपने भाई की सलामती के लिए भगवान से प्रार्थना करती है।

रक्षा बंधन पर भाई जीवन भर अपनी बहन की रक्षा करने का संकल्प लेता है।

मिठाइयों का आदान-प्रदान और उपहारा का आदान-प्रदान भी रक्षा बंधन त्योहार का महत्वपूर्ण रिवाज है।

रक्षा बंधन दिन में स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर भी मनाया जाता है।

लोग विशेष रूप से महिलाएं इस अवसर को मनाने के लिए जातीय कपड़े पहनती हैं।

रक्षा बंधन भाइयों और बहनों के बीच के बंधन को मजबूत करता है।

रक्षा बंधन त्योहार परिवार के सदस्यों के बीच एकता और एकता की भावना लाता है।

रक्षा बंधन त्योहार समाज में शांति और भाईचारे का संदेश फैलाता है।

रक्षा बंधन चचेरे भाई-बहनों और दूर के परिवार के सदस्यों के बीच एक-दूसरे के प्रति स्नेह व्यक्त करने के लिए भी मनाया जाता है।





प्राचीन काल से रक्षा बंधन उत्सव की प्रथा का पालन किया जा रहा है और इसकी जड़ें हमारे षास्त्रों में कई पौराणिक कथाओं में पाई जा सकती हैं।

चित्तौड़ की रानी कर्णावती और सम्राट हुमायूँ की प्रसिद्ध लोककथाओं में रक्षा बंधन उत्सव के महत्व पर जोर दिया गया है।

रक्षा बंधन धर्मनिरपेक्ष, बहुसांस्कृतिक हिंदू त्यो. हार है जो पूरे देश में मनाया जाता है।

दुनिया भर में रहने वाले अनिवासी भारतीय भी अपने भाई-बहनों के प्रति प्यार का इजहार करके रक्षा बंधन मनाते हैं।

रक्षा बंधन पर्व पर महिलाओं और लड़कियों ने प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, सैनिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को स्वेच्छा से अपना भाई मानकर राखी बांधी।

कई बहनें जो अपने भाइयों से दूर रह रही हैं, इस शुभ अवसर को मनाने के लिए डाक से राखी भेजती हैं।



## प्लास्टिक का उपयोग और प्रभाव—

**Saniya (Butterflies)**

प्लास्टिक प्रदूषण पर्यावरण में प्लास्टिक कचरे के जमा होने के कारण होता है। ... – समुद्री कूड़े, प्लास्टिक के टुकड़े या सूक्ष्म कण और गैर-बायोडिग्रेडेबल मछली पकड़ने के जाल का संचय, जो वन्यजीवों और कचरे को फंसाना जारी रखता है। – प्लास्टिक की वस्तुओं के अंतर्ग्रहण से पशुओं की मौत का कारण अपशिष्ट।

समुद्री प्लास्टिक का सबसे अधिक दिखाई देने वाला और परेशान करने वाला प्रभाव सैकड़ों समुद्री प्रजातियों का अंतर्ग्रहण, घुटन और उलझाव है। समुद्री वन्यजीव जैसे समुद्री पक्षी, व्हेल, मछलियाँ और कछुए, प्लास्टिक कचरे को भ्रम समझ लेते हैं, और अधिकांश भूख से मर जाते हैं क्योंकि उनका पेट प्लास्टिक के मलबे से भर जाता है।

प्लास्टिक पर्यावरण में युगों तक चिपकता रहता है, वन्य जीवन को धमकाता है और विशाक्त पदार्थों को फैलाता है। प्लास्टिक ग्लोबल वार्मिंग में भी योगदान देता है। ... भस्मक में प्लास्टिक जलाने से जलवायु-विनाशकारी गैसों और विशाक्त वायु प्रदूषण भी निकलता है।

प्लास्टिक प्रदूषण का वन्यजीवों पर सीधा और घातक प्रभाव पड़ता है। हर साल हजारों समुद्री पक्षी और समुद्री कछुए, सील और अन्य समुद्री स्तनधारी प्लास्टिक के अंतर्ग्रहण या उसमें फंसने के बाद मारे जाते हैं

## आओ शिक्षा का अभियान चलाए

आओ हम सब हाथ मिलाए।

शिक्षा का सबको पथ दिखलाए।

देश के कोने कोने से।

निरक्षरता का भाग मिटाए।

हमें इसके बारे में सभी को समझाना होगा।

शिक्षा का अभियान चलाना है।

बच्चे, युवा या वयस्क।

शिक्षा का महत्व कहना है।

हमें साक्षरता का प्रकाश फैलाना है।

इसके आधार पर हमें डॉक्टर, इंजीनियर या वैज्ञानिक मिलते हैं।

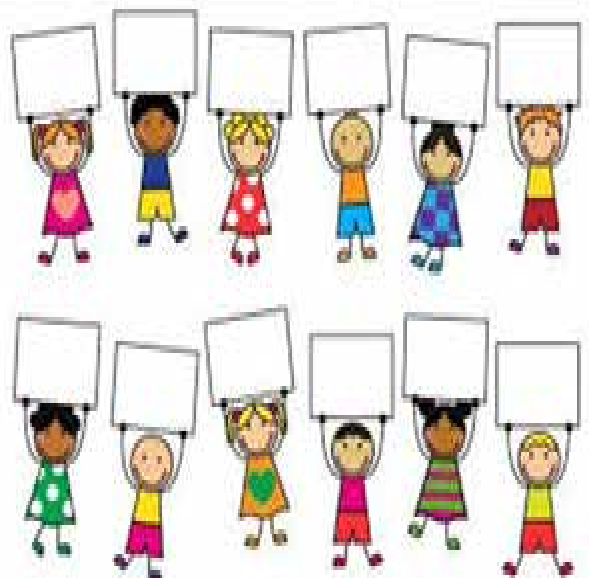
जो देश की सेवा करते हैं।

शिक्षा जीवन का पाठ है।

सभी अच्छी शिक्षा पाने के पात्र हैं।

शिक्षा जीवन का सबसे बड़ा हथियार है।

आओ शिक्षा का अभियान चलाए।



## Questions:

Who is the fastest man in the world?

In which year was the Battle of Plessey fought?

At which age Gautham Buddha got Nirvana?

Who is known as the father of history?

What was the ancient name of Patna?

Who gave the slogan "Do or Die"?

Which is the highest civilian award of the Republic of India?

What is the full form of Wifi?

Who is the writer of 'Panchathantra'?

Who is the 14th President of India?

Which is the biggest bone in the human body?

Who was the inventor of the light bulb?

Which Vitamin helps to heal the wound?

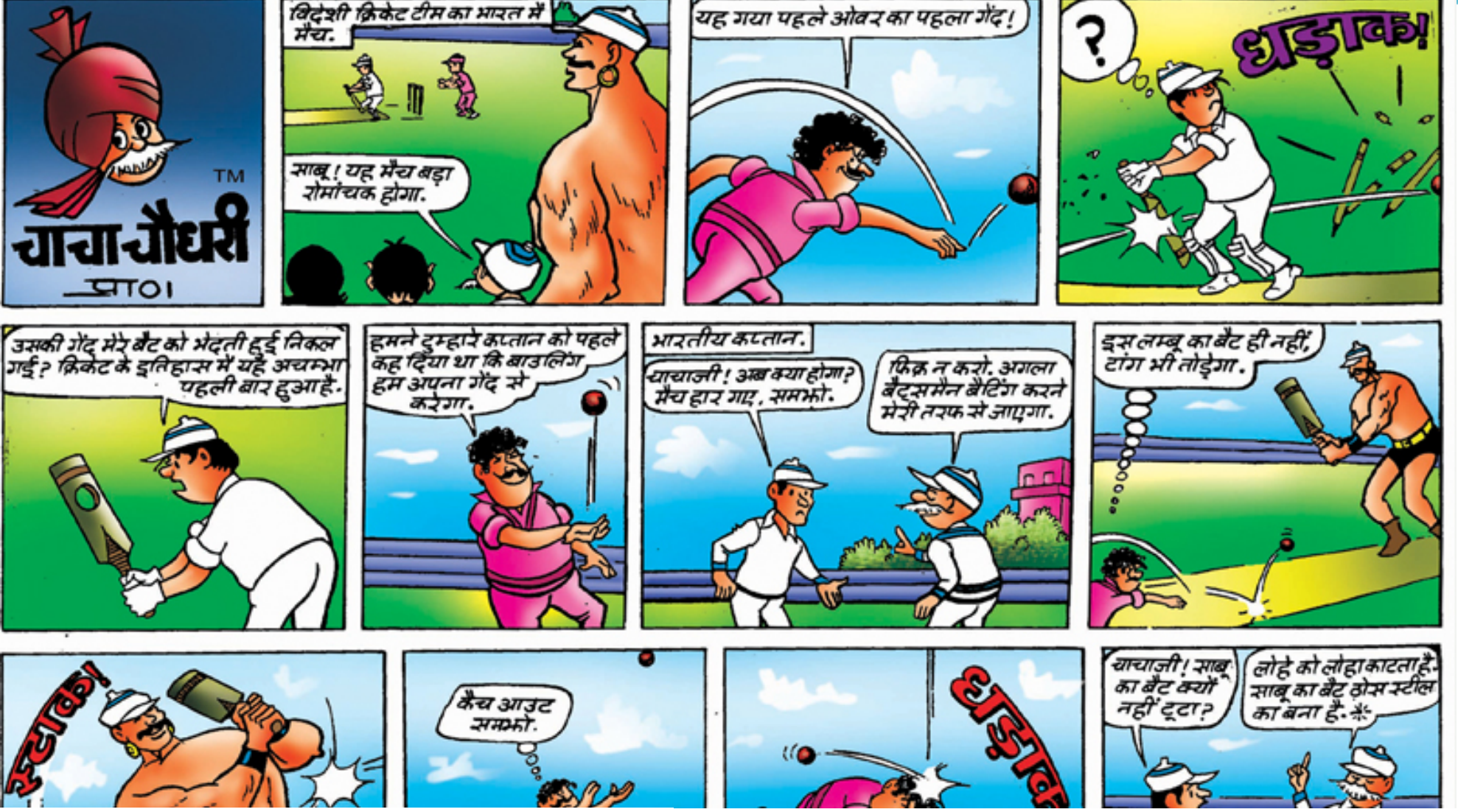
Which is the mineral found in teeth and limestones?

What is the weight of a cricket ball?

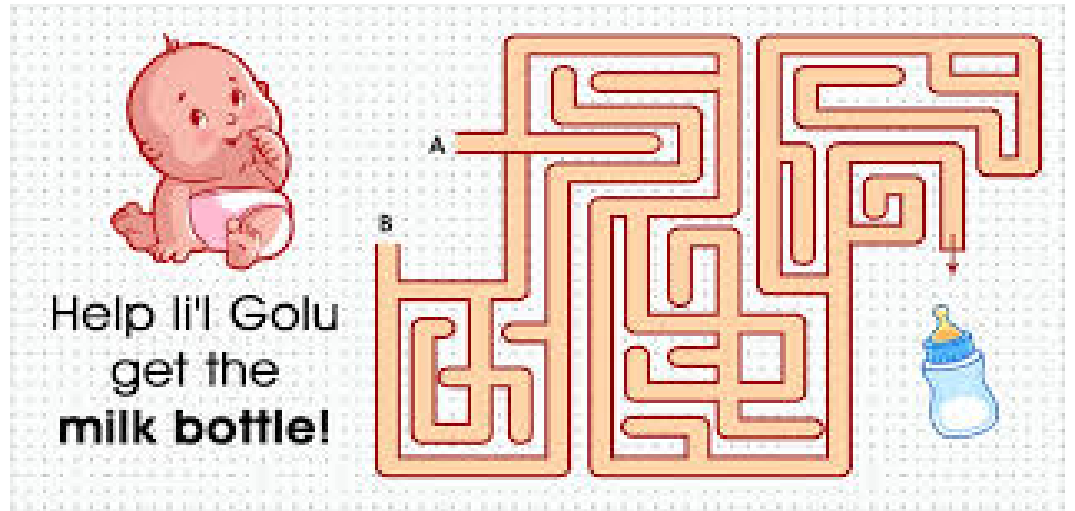
- |    |                   |     |                  |
|----|-------------------|-----|------------------|
| 1. | Usain Bolt        | 9.  | Vishnu Sharma    |
| 2. | 1757              | 10. | Ram Nath Kovind  |
| 3. | 35                | 11. | Femur            |
| 4. | Herodotus         | 12. | Thomas Alwa Edi- |
| 5. | Pataliputra       | 13. | Vitamin C        |
| 6. | Mahatma Gandhi    | 14. | Calcium          |
| 7. | Bharat Ratna      | 15. | 5.75 ounces      |
| 8. | Wireless Fidelity |     |                  |

Answers





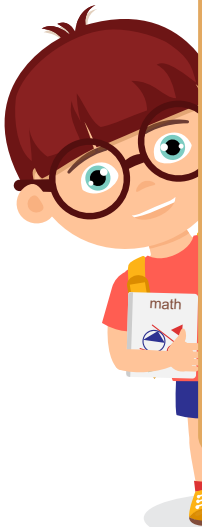
$$\begin{aligned}
 & \text{Blue car} + \text{Blue car} + \text{Blue car} = 18 \\
 & \text{Red car} + \text{Red car} + \text{Red car} = 9 \\
 & \text{Green car} \times \text{Green car} - \text{Green car} = 6 \\
 & \text{Blue car} \times \text{Red car} - \text{Green car} = ?
 \end{aligned}$$



### आप भी बाल पत्रकार बन सकते हैं

अगर आपकी उम्र 9 से 16 वर्ष के बीच है तो आप भी बाल पत्रकार बन सकते हैं। अगर आप बाल पत्रकार के रूप में अपने आस-पास घट रही घटनाओं को इस अखबार के माध्यम से उठाना चाहते हैं तो आपका स्वागत है। आप बच्चों से जुड़े किसी भी मुद्दे पर अपने विचार, लेख, फोटो, चित्र आदि इसमें छापने को भेज सकते हैं शर्त बस इतनी है कि यह आपकी अपनी रचना होनी चाहिए। यह अखबार आपकी राय को दूर-दराज इलाकों तक पहुंचाने की पूरी-पूरी कोशिश करेगा। आप अपनी रचना हमें लिखकर भेजें और जहां भी जरूरत हो संदर्भ का उल्लेख जरूर करें। आप अपनी रचना के साथ अपना नाम, उम्र, स्कूल/संस्था, पूरा पता फोन नम्बर आदि जरूर भेजें।

हमारा पता : संपादक मंडल, दिल्ली चिल्ड्रेन्स टाइम्स, द्वारा बटरपलाइज़, 163/4, प्रधान वाली गली, जौनापुर, नई दिल्ली -110047  
पुरस्कार : तीन सबसे अच्छी रचनाओं को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे



### दिल्ली चिल्ड्रेन्स टाइम्स संपादकीय दल

नया संपादकीय बोर्ड  
मुख्य संपादक  
सोनिया (Butterflies)  
सहायक संपादक  
प्राची (Butterflies)  
विवेक (Casp Delhi unit)  
चाइल्डरिपोर्टर:  
गरिमा (Butterflies)  
गुनगुन (Butterflies)  
सानिया (Butterflies)  
प्रियंका (Butterflies)  
अभिषेक (Butterflies)  
मनमोहन (Pragati wheel school)  
कल्पना (Deepalaya)  
विनीता (Angaza foundation)  
तान्या (Pragati wheel school)  
पुष्पा (Pragati wheel school)  
देवेन्द्र (Pragati wheel school)



यह अखबार 9 से 16 वर्ष की उम्र के बच्चों द्वारा लिखित, संपादित एवं प्रकाशित है। इसका उद्देश्य दिल्ली एवं इसके आसपास के इलाकों को बच्चों के लिए सुरक्षित एवं दोस्ताना बनाना है। यह अखबार दिल्ली बाल अधिकार क्लब द्वारा बटरपलाइज़ के सहयोग से प्रकाशित किया जा रहा है।

दिल्ली बाल अधिकार क्लब C/O बटरपलाइज़, 163/4, प्रधान वाली गली, जौनापुर, नई दिल्ली -110047  
भारत फोन : 011-35391068, 69, 70 E-mail : butterflies@vsnl.com  
परियोजना सहायता : Misereor Katholische Zentralstelle, Furenwicklungshilfe.V. Germany  
केवल निजी वितरण के लिए

सहयोग राशि: 5 रुपये